तापमान
अधिकतम 43 .6 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 27 अप्रैल 2025

11 संकट मोचन मंदिर में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत ..

12 शिक्षा विभाग की सख्ती पर सड़कों पर उतरे प्राइवेट ..

MATRIX CLASSES
... Run by IITian
IIT-JEE (MAIN & ADVANCE)
MEDICAL NEET (UG)
FOUNDATION (HTSE, KVPY & OLYMPIAD)
ONLY 30 SEATS FOR EACH CLASSES
REGULAR ADMISSION OPEN FOR: VII TO XII
FREE TUITION CLASSES FOR STUDENTS OF OUR INSTITUTE AT EVENING TIME
SCHOOLING & COMPETITIVE COACHING AT ONE PLACE
Director:- Mr. Muneem Bhar
(IIT MADRAS, AIR - 163)
Opp. Chhotu Ram Stadium, Basant Vihar, Gali No.3, Sonepat Road, Rohtak | M. : 92533-22220, 9813840432

खबर संक्षेप

मदविः सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने दिसंबर 2024 में आयोजित एमए-पत्रकारिता एव जनसंचार सीबीसीएस के प्रथम सेमेस्टर की री-अपीयर, एमएससी गणित एसएफएस स्कीम प्रथम सेमेस्टर फ्रेश की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है।

इस्माइला के पास ठेकेदार से कैश लूटा

सांपला। नेशनल हाईवे नंबर 9 इस्माईला बाईपास पर तीन स्कूटी सवारियों ने ठेकेदार से लूटपाट कर दी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। ठेकेदार राकेश शाम करीब 8:30 बजे इस्माईला बाईपास पर आया था। अभी तीन युवक एक स्कूटी पर सवार होकर आए। राकेश से 110000 छीन कर भाग गए।

युवक से 11 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी

रोहतक। सुखपुरा चौक निवासी हर्षित के साथ करीब 11 हजार रुपये की ठगी हुई है। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक ने पुरानी सब्जी मंडी थाने में शिकायत दी है।

चारों जलघर हो चुके खाली **सिंचाई विभाग के अधिकारियों के दावे खोखले**

बूंद- बूंद के लिए तरस रहा शहर, आज भी जेएलएन फीडर में नहीं आएगा पानी

सोमवार सुबह तक पानी आने की संभावना

- बुधवार से सप्लाई में सुधार की संभावना, 20 दिन से दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

करीब 20 दिन से चल रहा पानी का संकट खत्म होने का इंतजार अभी भी खत्म नहीं हुआ है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने दावा किया था कि 25 अप्रैल को पानी की सप्लाई आ जाएगी। इसके बाद कहा गया कि 26 तक सप्लाई पहुंचेगी। लेकिन शनिवार शाम तक भी जेएलएन फीडर में पानी नहीं पहुंचा था जिससे जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के चेहरों पर परेशानी दिखाई दी। जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दो तीन दिन का पानी ही शेष बचा हुआ था अब जलघर खाली होने को हैं। हालांकि सिंचाई विभाग द्वारा अब दावा किया जा रहा है कि पानी सोमवार सुबह तक पहुंच सकता है। इसके बाद भी सप्लाई पूरी तरह से शुरू करने में दो दिन का और समय लग जाएगा।

26 तक पानी आने का किया गया था दावा

हो चुकी है मीटिंग

शहर में पानी की किल्लत कई साल पुरानी है। जलघरों की संख्या न बढ़ने के कारण लोगों की जरूरत पूरी नहीं हो पा रही। इस मामले को लेकर डीसी धीरेंद्र खड़गटा और नगर निगम मेयर रामअवतार वाल्मीकि अधिकारियों के साथ मीटिंग कर चुके हैं। अधिकतर वार्डों के पार्षद भी पानी की कमी की शिकायत कर रहे हैं।

जलघर भी हो चुके हैं खाली

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा चार जलघर बनवाए गए हैं। इनमें मानसरोवर पार्क, झज्जर रोड, देव कॉलोनी और सोनीपत रोड के जलघरों से लोगों को पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन चारों जलघरों में पानी नीचले स्तर पर जा पहुंचा है, जिसमें गंदगी ज्यादा है। अब जहां पानी की सप्लाई हो रही है वहां गंदा पानी भी पहुंचने लगा है। इस वजह से आधे शहर से ज्यादा एरिया में पानी की सप्लाई बंद पड़ी है।

8 अप्रैल को नहर से जलापूर्ति बंद हो गई थी

शहरवासी 20 दिन से पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। मुख्य नहर में पानी की आपूर्ति बंद पड़ी है। 31 मार्च को जेएलएन (जवाहर लाल नेहरू) ओर 8 अप्रैल को बीएसबी (भालौठ सब ब्रांच नहर) में जलापूर्ति बंद हो गई थी। नहरों से जो पानी जलघरों में स्टोर किया गया था उसकी सप्लाई की जा रही है। अब अधिकारियों का दावा है कि सोमवार की सुबह तक नहर में पानी की सप्लाई आ जाएगी। इसके बाद पानी को जलघरों में लिफ्ट किया जाएगा।

टैंकर से पानी भरने को मजबूर शहर के लोग।

मुनक हेड से छोड़ा जा चुका है पानी

मुनक हेड से शनिवार शाम को पांच बजे पानी छोड़ा गया है। इस पानी को रोहतक एरिया तक आने में करीब 30 घंटे का समय लगता है। **-सतीश, अधीक्षक अभियंता,** सिंचाई विभाग, जेएलएन फीडर झज्जर

स्वास्थ्य विभाग की टीम का दिल्ली में छापा

भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- दलाल ने 25 अप्रैल को शाम 6 बजे डिकॉय गर्भवती महिला को जांच के लिए बुलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वेस्ट दिल्ली के बक्करवाला में रेड की है। जहां एक मकान में चल रहे भ्रूण लिंग जांच केंद्र का पर्दाफाश हुआ है। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक आरोपी को काबू किया गया है जबकि अन्य फरार हो गए। सिविल सर्जन डॉ रमेश चंद्र आर्य ने बताया कि एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रोहतक की गर्भवती महिलाओं की भ्रूण लिंग जांच बहादुरगढ़, हरियाणा तथा नजफगढ़, दिल्ली के नजदीक एक गिरोह के द्वारा की जा रही है, जिसपर तुरंत कार्रवाई करते हुए जिला समुचित प्राधिकरण पीसीपीएनडीटी रोहतक ने रेड टीम का गठन किया, जिसे कार्रवाई के लिए भेजा गया। टीम में डॉ विश्वजीत राठी (जिला नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी रोहतक), डॉ विशाल चौधरी तथा डॉ मोहित गिल को शामिल किया गया। इनफॉर्मर के जरिये भ्रूण लिंग जांच करवाने वाले दलाल से संपर्क किया गया तो दलाल ने 25 अप्रैल को शाम 6 बजे डिकॉय गर्भवती महिला को नजफगढ़ बुलाया, नजफगढ़ पहुंचने पर दलाल से संपर्क करने पर वह गर्भवती महिला से मिलने आया और कुछ देर इंतजार करने को कहा, रेड टीम लगातार पीछा कर रही थी। आगे से सिग्नल मिलते ही दलाल गर्भवती महिला के साथ कुछ दूर बक्करवाला गांव से पहले नाले वाले पुल पर पहुंचा, जहां से एक और दलाल स्कूटी से आया और महिला को स्कूटी पर बिठा कर लगभग एक किमी दूर गांव बकरवाला के एक घर में ले गया जांच के समय गिरोह को धर दबोचा।

की जा रही जांच

रोहतक पीसीपीएनडीटी टीम ने वेस्ट दिल्ली के बक्करवाला में रेड की। यहां भ्रूणलिंग जांच करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया गया। आरोपियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई है। **-धीरेंद्र खड़गटा, जिला उपायुक्त**

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
Repeating Excellence: Our Students Shine in JEE Main 2025!
वीर हुड्डा, 94% PERCENTILE
अंकुर 96% PERCENTILE
अशिया 97.5% PERCENTILE
यशिका GEN. EWS 93% PERCENTILE
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY GUWAHATI
N·S·D·C
masai
IIT GUHATI ALUMINI LEARNING PROGRAME CLEAR IN ARTIFICIAL INTELLIGENCE
ID No : IITG_AIML_2503762
Name : Sachin Verma
Course : Credit-Linked program in Artificial Intelligence & Machine Learning
Valid Upto : March 2026
Gaurav Trivedi, Principal Investigator, Daksh Gurukul- IIT Guwahati
Ved Mani Tiwari, CEO, NSDC
Pratek Shukla, CEO, Masai
IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल के तीन बच्चों ने मारी बाजी
IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीटूट्रेंट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया।
2024 NEET QUALIFIED STUDENTS
ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN NEET – 2024(MBBS)
SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN NEET – 2024(MBBS)
SANJEET BHARDWAJ NEET - 2024, Rank-5028 Marks : 685/720
ANKITA NEET – 2024(MBBS) Marks : 501/720(SC-A)
YUVRAJ VERMA With Dr. Ashok Duhan Sir Score : 660/720 Rank : 21714
IIT-JEE ADVANCED 2024
ANSH DUHAN S/o Dr. Ashok Duhan Sir Rank : 11002
RISHABH With Dr. Ashok Duhan Sir CRL : 17548, OBC_NCL:4315
YASH LAMBA With Dr. Ashok Duhan Sir CRL : 11852
JAI KAUSHIK NDA – 2024 SSB QUALIFIED
BRANCH 1
BASANT VIHAR, GALI NO. 1, SHEELA BYE PASS, SONIPAT ROAD, ROHTAK
BARNCH 2- KATH MANDI, JHAJJAR ROAD, ROHTAK, M. 7056765951
DR ASHOK DUHAN (Chairman) M. 9416148363
DR SUNITA DUHAN (Director) M. 9416864945
BACHPAN PLAY SCHOOL
In Collaboration with
Aakashdeep Duhan Science Institute
1200+ Schools Nationwide
360 Degree App
Speak-O-Books & Pen
Virtual Reality Education
Robotics Lab
E-Classrooms
ADMISSION OPEN-2025-26
Admission Start from 1st to 5th Class also in Duhan Vatika Basant Vihar, Rohtak
Kyunki bachpan sirf ek baar aata hai
www.bachpanglobal.com
DR ASHOK DUHAN (Chairman) M. 9416148363

सोने में तेजी से गोल्ड ईटीएफ का चला जादू, चौंका रहा रिटर्न

● रिटर्न देने में एसआईपी को भी पीछे छोड़ा ● सोने के ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को भी पछाड़ा ● एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में 54.35% का रिटर्न मिला ● गोल्ड ईटीएफ में मार्च में मुनाफा वसूली देखी गई

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में आई तेजी ने कई फंड में भी तेजी ला दी है। पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निफ्टी ईटीएफ को काफी पीछे छोड़ दिया है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने में और तेजी बनी रह सकती है। वहीं, कुछ जानकारों के मुताबिक इसकी कीमत में कुछ गिरावट की भी उम्मीद है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो अच्छे रिटर्न के लिए आपको अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। सोने में तेजी से इससे जुड़े फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमतें इस समय एक लाख के आसपास चल रही है। मंगलवार को तो 1800 रुपये का उछाल आया और 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निवेशकों को चमका दिया है। यानी निवेशकों को भरपूर रिटर्न मिल रहा है। ऐसे में निवेशक अब सोने की तरफ अग्रेसित हो रहे हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ एक ऐसी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड है, जिसमें सोने की कीमत को ट्रैक करने के लिए निवेश किया जाता है। यह एक ऐसी संपत्ति है जो सोने की कीमत के साथ बढ़लती है, जैसे कि अगर सोने की कीमत बढ़ती है, तो गोल्ड ईटीएफ की कीमत भी बढ़ेगी। यह भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उसे शारीरिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं होती है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

सोने में निवेश करने के ये भी ऑप्शन

- **सोने के सिक्के या बार :** सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- **सोने के जेवर:** सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स :** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **गोल्ड म्यूचुअल फंड्स के फायदे:** गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **सोने के शेयर:** सोने के शेयरों में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- **सोने के शेयरों के फायदे:** सोने के शेयरों में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- **ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म:** जैसे कि पेटीएम गोल्ड, गोल्डबाजार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।

यह मिलता रिटर्न

अगर किसी ने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में हर महीने 10,000 रुपये का एसआईपी किया होता, तो उसे एक साल में 54.35% का रिटर्न मिलता। वहीं, एसबीआई निफ्टी 50 ईटीएफ में इतना ही निवेश करने पर सिर्फ 2.93% रिटर्न मिलता। अन्य 16 गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में 48.32% से 54.85% तक का रिटर्न दिया है। एक्सिस गोल्ड ईटीएफ ने 54.85% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 48.32% का रिटर्न दिया है।

बाकी ईटीएफ का क्या हाल

15 निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% से 3.03% तक का रिटर्न दिया। इनमें क्वांटम निफ्टी 50 ईटीएफ एफओएफ ने 3.03% और इनवेस्को इंडिया निफ्टी 50 ईटीएफ ने 2.87% का रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि सोने में उतार-चढ़ाव अभी जारी रहेगा। जोखिम उठाने वाले निवेशक इस तेजी का फायदा उठा सकते हैं, जबकि सावधानी बरतने वाले निवेशक गिरावट का इंतजार कर सकते हैं।

आगे मजबूती या गिरावट

एक अन्य फर्म का कहना है कि कि सोने की कीमतें अगले कुछ महीनों में मजबूत बनी रह सकती है। केंद्रीय बैंकों द्वारा सोना खरीदना, ब्याज दरों में कमी की उम्मीद, डॉलर का कमजोर होना, महंगाई, आर्थिक अनिश्चितता (टैरिफ से जुड़े जोखिम सहित) और ईटीएफ में निवेश बढ़ने से सोने की कीमतों को सहारा मिल रहा है। फंड हाउस ने आगे कहा, हालांकि थोड़े समय के लिए कीमतों में गिरावट आ सकती है, लेकिन लंबे समय के लिए सोने की कीमतें मजबूत रहने के संकेत है। एएमएफआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में गोल्ड ईटीएफ से 77 करोड़ रुपये निकाले गए, जबकि फरवरी में 1,979 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड ईटीएफ में 14,852 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 183% अधिक है। मार्च में गोल्ड ईटीएफ में उलटफेर देखने को मिला, जिसमे फरवरी के 1,979.84 करोड़ रुपये के निवेश के मुकाबले 77.21 करोड़ रुपये की निकासी हुई। ये मुनाफा वसूली के लिए हुआ।

मुख्य विशेषताएं

1. **सोने की कीमत के साथ जुड़ा :** गोल्ड ईटीएफ की कीमत सोने की कीमत के साथ जुड़ी होती है, इसलिए निवेशकों को सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव का लाभ मिल सकता है।
2. **एक्सचेंज पर ट्रेडिंग :** गोल्ड ईटीएफ को स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकता है, जैसे कि शेयर।
3. **लिक्विडिटी :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने से निवेशकों को लिक्विडिटी का लाभ मिलता है, क्योंकि वे अपने निवेश को आसानी से बेच सकते हैं।
4. **पारदर्शिता :** गोल्ड ईटीएफ की कीमतें और होल्डिंग्स पारदर्शी होती हैं, जिससे निवेशकों को अपने निवेश के बारे में जानकारी मिलती है।

ऐसे करता है काम

- **भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व :** गोल्ड ईटीएफ एक यूनिट के रूप में भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करते हैं, आमतौर पर एक ग्राम सोने के बराबर।
- **स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार :** इन फंड्स को शेयर बाजार में खरीदा और बेचा जा सकता है, जैसे कि अन्य स्टॉक।
- **निवेश का सरल तरीका :** यह सोने में निवेश करने का एक आसान और सुलभ तरीका है, क्योंकि भौतिक सोना खरीदने, रखने और सुरक्षित करने की तुलना में यह सरल है।
- **कम अस्थिरता :** गोल्ड ईटीएफ, इक्विटी की तुलना में कम अस्थिर होते हैं।
- **सुरक्षा :** भौतिक सोने के रूप में, यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ एक बचाव के रूप में काम कर सकता है।
- **निवेश :** गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए, आपको एक डीमैट और ट्रेडिंग खाता खोलना होगा। इसके बाद आप अपनी निवेश की यात्रा शुरू कर सकते हैं और समय आने पर बढ़िया मुनाफा भी कमा सकते हैं। निवेश का लंबा लक्ष्य बनाकर चलें।

कुछ टिप्स अपनाएं और घटाएं होम लोन की ईएमआई का बोझ

सुझाव
बिजनेस डेस्क

कुछ आसान से तरीके आपकी परेशानी को कर सकते हैं कम
●
लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं
●
मकान खरीदने के लिए अधिक से अधिक डाउन पेमेंट करें
●
अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर कम ब्याज दर पर लोन मिलता है

हर किसी का मन होता है कि अपने सपनों का घर खरीदे, लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में लोग होम लोन का सहारा लेते हैं और होम लोन की ईएमआई हर महीने भरना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। होम लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यक्तियों को घर खरीदने या बनाने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण आमतौर पर बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है और इसकी अदायगी कई वर्षों में की जाती है। अगर आप होम लोने के बोझ को कम करना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स को अपनाकर राहत पा सकते हैं। हालांकि होम लोन लेने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने वित्तीय स्थिति और ऋण की शर्तों को ध्यान से समझें और अपने निर्णय के बारे में सुनिश्चित हों।

डाउन पेमेंट का रखें ध्यान

जब आप घर खरीदते हैं, तो जितना अधिक पैसा शुरू में डाउन पेमेंट के लिए देंगे, उतना ही कम लोन की ईएमआई देना पड़ेगा। कम लोन ईएमआई का मतलब आपको कम ब्याज भी देना होगा। इसलिए, कोशिश करें कि शुरुआत में ही ज्यादा से ज्यादा रकम जमा करें।

लोन की अवधि बढ़ाएं

अगर आपकी मंथली सैलरी कम है, तो आप लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं। हालांकि, इससे कुल ब्याज बढ़ सकता है, लेकिन मासिक किस्तें कम हो जाएंगी, जिससे आपकी जेब पर कम दबाव पड़ेगा।

समय-समय पर प्री-पेमेंट करें

अगर आपको बोनस, टैक्स रिफंड या कोई और अतिरिक्त आय मिलती है, तो उसका यूज करके लोन का कुछ हिस्सा पहले चुकाने में करें। इससे आपका मूलधन कम होगा और ब्याज में भी बचत होगी।

बेहतर क्रेडिट स्कोर बनाएं

अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर बैंक आपको कम ब्याज दर पर लोन देते हैं। इसके लिए समय पर बिल और लोन की किश्तें चुकाएं और साथ ही, क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और कर्ज के जाल से खुद को बचाएं।

बैंक बदलने का भी है ऑप्शन

अगर किसी और बैंक में कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, तो आप अपने लोन को वहां ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सभी शर्तों और चार्जेस की जानकारी जरूर लें।

फ्लोटिंग रेट लोन चुनें

फ्लोटिंग रेट लोन में ब्याज दर बाजार के अनुसार बदलती रहती है। अगर बाजार में ब्याज दरें कम होती हैं, तो आपकी ईएमआई भी कम हो सकती है। हालांकि, इसमें जोखिम भी होता है, क्योंकि दरें बढ़ भी सकती हैं।

ईएमआई अमाउंट बढ़ाएं

अगर आपकी आय बढ़ी है, तो आप अपनी ईएमआई बढ़ाकर लोन जल्दी चुका सकते हैं। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और आप जल्दी कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करें

अगर आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो कुछ सालों में एक अच्छी राशि जमा हो सकती है। इस राशि का उपयोग लोन का प्री-पेमेंट करने में किया जा सकता है, जिससे लोन की अवधि और ब्याज दोनों कम होंगे।

लोन की अवधि कम करें

अगर आप थोड़ी अधिक ईएमआई दे सकते हैं, तो लोन की अवधि कम रखें। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और जल्दी ही कर्ज खत्म हो जाएगा।

होम लोन की विशेषताएं

- लंबी अवधि : होम लोन की अवधि आमतौर पर 10 से 30 वर्षों तक होती है, जिससे आप अपने ऋण को धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।
- सुरक्षा : होम लोन के लिए घर ही सुरक्षा के रूप में कार्य करता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

होम लोन के कुछ फायदे

- घर खरीदने में मदद : होम लोन आपको घर खरीदने में मदद कर सकता है जो आपके लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है।
- लंबी अवधि : होम लोन की लंबी अवधि आपको अपने ऋण को धीरे-धीरे चुकाने में मदद कर सकती है।
- कम ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।

होम लोन के कुछ नुकसान

- ब्याज का भुगतान : होम लोन पर आपको ब्याज का भुगतान करना होता है, जो आपके ऋण की कुल राशि को बढ़ा सकता है।
- जुर्माना : यदि आप अपने ऋण का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।
- घर की जब्ती : यदि आप अपने ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर किया जाता है, इसमें ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है, ब्याज निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लॉक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है। एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को आटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दर

स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है। यह निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग अलग ब्याज दरें तय होती हैं।

बैंकों में अलग अलग ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआई	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%
पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6.10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
डाकघर	6.90%-7.50%
आरबीएल	4.75%-7.00%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है।

■

अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है।

पैसे निकालने का क्या है नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले आपके स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फर्स्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं। इसका मतलब है कि अगर आपके बैंक बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड का उपयोग करके स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आपको आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। स्वीप-इन सुविधा के माध्यम से एफडी में निवेश की गई अतिरिक्त राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है। साथ ही, बैंक एफडी से स्वेप्ट-इन पैसा निकालने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा।

दंपति के लिए खास स्कीम, हर साल एक लाख से ज्यादा होगी इनकम

पोस्ट ऑफिस एमआईएस में वन टाइम करना होगा डिपॉजिट ● सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट के जरिए 15 लाख तक जमा कर सकते है जमा

रिटर्न
बिजनेस डेस्क

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम में अकाउंट खोलने के लिए कम से कम 1000 रुपये निवेश जरूरी, जिसके बाद 1000 रुपये के मल्टीपल में जमा हो सकता है। इसमें सिंगल अकाउंट में अधिकतम 9 लाख रुपये और ज्वॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। ज्वाइंट अकाउंट में हर होल्डर का निवेश में बराबर हिस्सा होता है। इसमें बेनीफिट भी अच्छा मिलता है। यह स्कीम आपके भविष्य के लिए बेहतर हो सकती है।

अगर आप शादीशुदा हैं और रेगुलर इनकम के लिए किसी अच्छी स्कीम की तलाश में हैं तो ध्यान दें। आप सरकारी स्कीम की तरह एक ज्वॉइंट अकाउंट खुलवाकर कर साल 1 लाख 10 हजार रुपये (1.10 लाख रुपये) की इनकम कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) के बारे में। आकर्षक ब्याज दरों के साथ, पोस्ट ऑफिस का यह मंथली इनकम अकाउंट निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है। इस स्कीम में वन टाइम डिपॉजिट करने पर रेगुलर इनकम का लाभ मिलता रहता है।

ब्याज दर 7.4% सालाना

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकांट पर मौजूदा ब्याज दर 7.4 फीसदी सालाना है। इसमें अब सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट अकाउंट के जरिए अधिकतम 15 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम अकाउंट सरकार द्वारा समर्थित स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जहां गारंटीड रिटर्न मिलता है। पोस्ट ऑफिस की योजना है तो इसमें 100 फीसदी सुरक्षा की गारंटी है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ ही स्पाउस के साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की भी सुविधा है।

हर माह कितनी आएगी रकम

ज्वाइंट अकाउंट में

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- ज्वॉइंट अकाउंट से अधिकतम निवेशः 15 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 1,11,000 रुपये
- मंथली ब्याजः 9250 रुपये

अगर सिंगल अकाउंट हो तो

- ब्याज दरः 7.4 फीसदी सालाना
- सिंगल अकाउंट से अधिकतम निवेशः 9 लाख रुपये
- सालाना ब्याजः 66,600 रुपये
- मंथली ब्याजः 5550 रुपये

मैच्योरिटी के बाद एक्सटेंड कर सकेंगे

इस स्माल सेविंग्स स्कीम पर 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें जमा पैसों पर जो भी सालाना ब्याज होता है, उसे 12 हिस्से में बांट दिया जाता है, और वह हर महीने आपके अकाउंट में आएगा। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में रहेगी और मूलधन के साथ इस धन को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। इस स्कीम की मैच्योरिटी 5 साल है, लेकिन 5 साल बाद नए ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

क्या है स्कीम के लिए योग्यता

- बालिग के नाम से सिंगल अकाउंट
- ज्वॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 एडल्ट मिलकर) (ज्वॉइंट A या ज्वॉइंट B)
- माइनर के नाम पर उसका गार्जियन अकाउंट खोल सकता है
- 10 साल का माइनर है तो उसके नाम से

क्या है पीओएमआइएस

पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी पीओएमआइएस में आपको एकमुश्त निवेश करना होता है। उसी पर आपको ब्याज दर का फायदा मिलता है। इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपको 5 सालों तक ब्याज का लाभ मिलता रहता है। मंथली इनकम स्कीम डाकघर की एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम में सिंगल और ज्वाइंट दोनों तरह से अपना खाता खुलवा सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने पर आपको वर्तमान में 7.4 प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है।

खबर संक्षेप

पूर्व विधायक ने दिव्यांग किसान को दिए 20 हजार

महम। पूर्व विधायक बलराज कुंडू भले ही इस बार का विधानसभा चुनाव हार गए हों, लेकिन उनमें समाजसेवा का जज्बा अब भी बरकरार है। एक जरूरतमंद और दिव्यांग किसान की आर्थिक मदद करके उन्होंने एक मिसाल कायम की है। भैणीभैरों गांव के रकबे में आग से किसान दलबीर सिंह की दो एकड़ गेहूं की फसल जल गई थी। दलबीर सिंह का एक पैर दुर्घटना में कट गया था। वह पैर से दिव्यांग है और वह 5 बेटियों का पिता है। यह परिवार केवल खेती पर ही निर्भर था। उसकी पूरी फसल आग की भेंट चढ़ गई। पूर्व विधायक ने दलबीर को कहा कि वे अपनी तरफ से उनको 20 हजार रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से उसकी आर्थिक मदद करेंगे।

गौड़ ब्राहण शिक्षण संस्था की हुई बैठक

रोहतक। गौड ब्राहमण शिक्षण संस्था के आजीवन सदस्यों की बैठक शनिवार को पूर्व प्रधान आजाद सिंह अत्री व पूर्व प्रधान महासचिव एडवोकेट कृष्ण कौशिक की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संस्थान के वोटर लिस्ट मामले को लेकर लगभग ढाई साल बाद आए स्टेट रजिस्ट्रार के फैसले को लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही बैठक में सर्वसम्मति से कई प्रस्ताव भी पारित किए गए। एडवोकेट कृष्ण कौशिक ने बताया कि स्टेट रजिस्ट्रार द्वारा जो फैसला दिया गया है, उसमें काफी भ्रांतियां है, जिसको लेकर संस्थान के आजीवन सदस्यों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि संस्था के जनवरी 2014 के बाद चुनाव नहीं हुए है।

सांसद जांगड़ा ने पेयजल को लेकर की बैठक

महम। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने काठमंडी स्थित कार्यालय में जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने शहर व हलके के गांवों में लोगों को स्वच्छ व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि अब हलके में बिना भेदभाव के काम होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महम के विकास को लेकर उनको खुली छूट दे दी है। यही वजह है कि वे आए दिन महम हलके में विकास कार्यों का शुभारंभ कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री बहुत ही नेकदिल इंसान हैं। सांसद जांगड़ा के निजी सचिव महेश शर्मा ने बताया कि जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप कुमार और कनिष्ठ अभियंताओं और अन्य संबंधित अफसरों के साथ विस्तार से सभी परियोजनाओं को लेकर बात की है और पानी की समस्या से निपटने के लिए योजना बनाने को दिशानिर्देश दिए हैं।

दीपक मिस्टर तथा मिस फेयरवेल बनी शिवानी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के गणित विभाग में एमएससी गणित के विद्यार्थियों द्वारा अपने सीनियर्स-एमएससी गणित के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। गणित विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुमित गिल ने विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों का सामना और जीवन में नई ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मिस्टर फेयरवेल दीपक तथा मिस फेयरवेल का खिताब शिवानी ने हासिल किया। कुशल को मिस्टर पर्सनालिटी तथा रीना को मिस पर्सनालिटी चुना गया। कार्यक्रम का संचालन रिया, अनुज, रितु, अंकिता, ईशा और ललित ने किया। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

रक्षकों का रक्षक बनने फौज में आएं चिकित्सक: लेफ्टिनेंट जनरल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्मी की वर्दी एक ऐसी चीज है कि जिसे पहनकर हम खुद पर बहुत ज्यादा गर्व महसूस करते ही हैं, वहीं देशवासी भी हम पर गर्व करते हैं। एमबीबीएस व एमडी ऐसे कोर्स है जिन्हें करने के बाद हम आसानी से फौज में जा सकते हैं। इसके माध्यम से हमें रक्षकों का रक्षक बनने का स्वर्णिम अवसर मिलता है। यह कहना है आर्मी में लेफ्टिनेंट जनरल भूपेश कुमार गोयल, एवीएसएम, वीएसएम का। वे शनिवार को पीजीआईएमएस के लेक्चर थियेटर 5 में आयोजित कैरियर अपॉर्चुनिटी इन इंडियन आर्मी विषय पर व्याख्यान देने के लिए मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए थे।

इस अवसर पर उपस्थित छात्रों को संबोधित करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल भूपेश गोयल ने बताया कि यह रोहतक की मिट्टी का ही कमाल है कि वह आज विश्वकर्मा स्कूल और जाट कॉलेज में पढ़ते हुए इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि हम जो भी काम करें उसे पूरी तरह गहराई में उतरकर करें क्योंकि गहराई में ही मोती मिलते हैं। हमें अपने विषय पर पूरी तरह से पकड़ बनानी चाहिए। डॉ भूपेश गोयल ने बताया कि अपने कार्य को कभी भी मन मारकर ना करें। उन्होंने बताया कि हम आर्मी को कैसे ज्वाइन कर सकते है, इसके क्या-क्या फायदे होते हैं और समाज में हमें कितना अधिक मान सम्मान मिलता है।

हरियाणा के लोगों कूट-कूटकर भरी देशभक्ति

कुलपति डॉ एच के अग्रवाल ने बताया कि हमारी आर्मी हमारे अनमोल जीवन की रक्षा करती है वह भी बिना किसी चूक के। हरियाणा के लोगों में देशभक्ति कूट-कूट कर भरी होती है इसलिए जब भी आर्मी को ज्वाइन करने की बात होती है तो हरियाणवी अग्रणीय पंक्ति में खड़े नजर आते हैं। डॉ एच के अग्रवाल ने बताया कि भारतीय सेना में चिकित्सक बनना एक गौरव का विषय है जो न केवल देशभक्ति की भावना को दर्शाता है बल्कि मानवता की सेवा करने का भी अवसर प्रदान करता है। निदेशक डॉक्टर एस के सिंघल ने कहा कि आर्मी में चिकित्सक के रूप में कार्य करने वाले डॉक्टर न केवल सैनिकों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं बल्कि आपदा प्रबंधन और अन्य आपातकालीन स्थितियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉक्टर एस के सिंघल ने डॉक्टर भूपेश गोयल के बारे में विस्तार से बताया कि उन्होंने वर्ष 1986 में एएफएमसी पुणे से एमबीबीएस की और वर्ष 1993 में स्त्री रोग विभाग से पोस्ट ग्रेजुएशन की। उनके 26 पेपर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जनरल प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ सिंघल ने बताया कि डॉ भूपेश को 2011 में विशिष्ट सेवा मेडल मिला था और 2024 में अति विशिष्ट सेवा मेडल प्राप्त हुआ। डीन अकादमी अफेयर्स डॉक्टर ध्रुव चौधरी ने बताया कि उनके छोटे भाई कर्नल के पद से रिटायर हुए हैं। उन्होंने कहा कि आर्मी की वर्दी पहनना बहुत ही आत्म सम्मान का पल है, जिसे ना पहन पाने का मलाल उन्हें हमेशा रहेगा । डीन डॉक्टर कुलदीप लालर ने बताया कि पोस्ट ग्रेजुएट करने के बाद भी आर्मी को ज्वाइन करने के लिए बहुत ज्यादा अवसर होते हैं, उन्होंने एफएमसी पुणे से ही अपनी पीजी की थी जिसके चलते आर्मी से उनका काफी लगाव है। मंच का संचालन जनसंपर्क विभाग के इंचार्ज डॉक्टर वरुण अरोड़ा ने किया। इस अवसर पर डीन छात्र कल्याण डॉक्टर एमजी वशिष्ठ, डॉ रमेश वर्मा आदि चिकित्सक व सैकड़ो विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यात्रा में ब्रह्मलीन गायत्री मां की प्रतिमा विराजमान थी

संकट मोचन मंदिर में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ कथा शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के निर्वाण दिवस के उपलक्ष में 2 मई तक 7 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को भक्तिमय, श्रद्धा व हर्षोल्लास से आरंभ हुई। श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ कथा से पूर्व शनिवार को सुबह 8 बजे मंदिर से गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी और भक्तों ने आकर्षित वेशभूषा पहनकर, सिर पर गंगारूपी मंगल कलश रखकर यात्रा निकाली। यात्रा में मंगल गीत गाकर, गाजे-बाजे व बैंड बाजों की धुन पर भक्तों ने भजन-कीर्तन कर आस्था जताई। यात्रा में ब्रह्मलीन गायत्री मां की प्रतिमा विराजमान थी। पंडित अशोक शर्मा ने आरती की व प्रसाद वितरित किया। कथावाचक साध्वी यमुना दीदी ने भागवत कथा का महत्व बताया। उन्होंने भक्तों को श्रीमद्भागवत का रसपान कराया। साथ ही संगीतमय भजनों और आकर्षित झांकियों को प्रस्तुत किया। यह कथा 1 मई तक चलेगी।

रोहतक। कलश यात्रा में भजनों पर नाचते साध्वी मानेश्वरी देवी व भक्तजन।

कैबिनेट मंत्री ने की पूजा-अर्चना

कैबिनेट एवं कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मंदिर में भक्तिभाव से पूजा की। शर्मा ने कहा कि हमारा देश एक हिंदू वाद देश है, हमारी धार्मिक और संस्कृतिक परंपराओं की रक्षा और बढ़ावा देने में संत महात्माओं का बहुत बड़ा योगदान हमेशा रहा है। जिला परिषद चेयरमैन मंजू हुड्डा ने कथा से पूर्व ज्योत प्रचंड कर माथा टेका और आरती की। कलश यात्रा मंदिर से चलकर सदर थाना, गढ़ी मौहल्ला व मुख्य बाजारों से होते हुए बाबा लक्ष्मणपुरी महाराज डेरे पहुंची। भक्तों ने महाराज से आशीर्वाद लिया।

गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी ने कलश का महत्व बताते हुए कहा कि सनातन धर्म में हर धार्मिक कार्यों में कलश का विशेष महत्व है।

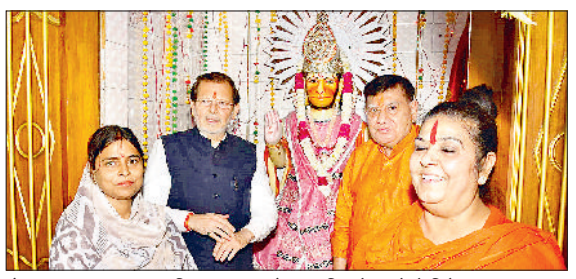

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में पहुचें कैबिनेट एवं कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा । फोटो : हरिभूमि

कलश रिद्धि- सिद्धि का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि कलश के मुख में भगवान विष्णु का वास होता है और कंठ में रुद्र और मूल में ब्रह्मा वास करते हैं। साथ ही कलश के मध्य में दैवीय शक्तियां निवास करती हैं। कलश में भरा पवित्र जल इस बात का संकेत देता है कि हमारा मन जल की तरह शीतल, साफ और निर्मल बना रहे। उन्होंने कहा कि जन्म के समय भी कलश स्थापना की जाती है और मरने के समय भी शरीर के साथ कलश विसर्जित किया जाता है। कलश के ऊपर रखा नारियल मनुष्य को इस बात की शिक्षा देता है कि परिवार के मुखिया को ऊपर से सख्त और अंदर से मुलायम होना चाहिए। कलश के ऊपर रखी माला का मतलब जिस प्रकार माला में लगा हुआ फूल महकता है उसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी दूसरों को सुगंध देने वाला होना चाहिए।

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में पोषण पखवाड़ा पर प्रदर्शनी

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट में शनिवार को दो दिवसीय पोषण पखवाड़ा प्रदर्शनी सह मेला कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने कहा पोषण पखवाड़ा 2025 एक शानदार सफलता थी, जिसने पोषण जागरूकता, स्वस्थ आदतों और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम का प्रभाव मेले से आगे तक फैलेगा, जो भविष्य की पीढ़ियों को स्वस्थ जीवन और सूचित भोजन विकल्पों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक, उपप्रधानाचार्या मशेंका, रेखा, रवनीत, वीरेंद्र, हर्ष, किरण, राहुल, सुमन आदि उपस्थित रहे।

बास्केटबाल में हल्दीघाटी हाउस विजयी

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में कक्षा नौवीं से बारहवीं की छात्राओं के बीच अन्तःगृह बास्केट बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी टीमों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। खेल विभाग के अध्यक्षन जयबीर, खेल शिक्षिका दुर्गा व कैप्टन सत्यवान की अगुआई में प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में हल्दीघाटी हाउस की छात्राओं ने विजय हासिल की। सभी खिलाड़ियों ने विजेता टीम को बधाई दी। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हरियाणा नेटबॉल की दोनों वर्ग की टीमें चैम्पियनशिप में भाग लेंगी

रोहतक। हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव बबीता ने बताया कि 2025-26 के सत्र की ट्रेडिशनल नेटबॉल, फास्ट 5 नेटबॉल, मिक्स नेटबॉल, बीच नेटबॉल के सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग की सभी राष्ट्रीय नेटबॉल चैम्पियनशिप के लिए हरियाणा नेटबॉल की दोनों वर्ग की टीमें चैम्पियनशिप में भाग लेगी। खिलाड़ियों की सुख सुविधा को देखते हुए हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन ने अलग-अलग स्थान पर ट्रायल रखने का फैसला लिया गया है। जिस के लिए हरियाणा की दोनों वर्ग में टीमों के लिए ट्रायल/कैम्प 27 अप्रैल को समय 3:00 बजे होगी।

मानवता पर हमले का मुंहतोड़ जवाब देगी मोदी सरकार : डॉ. अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा पहलगाम में आतंकियों ने मानवता पर हमला किया है, जिसका प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सरकार मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंक को शह देने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। सरकार आतंक व आतंकवादियों को जड़ से खत्म करेगी, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनावृति न हो सके। शनिवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा इंदिरा कालोनी स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में भगवान परशुराम की प्रतिमा के अनावरण व शिव एनक्लेव में नवनिर्मित शिव मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले में हमारे 26 नागरिकों की शहादत की कीमत पाकिस्तान को चुकानी पड़ेगी। केबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम की जयंती के कार्यक्रम अक्षय तृतीया से एक महीने तक प्रदेशभर में चलते हैं। प्रदेश के अलग-अलग कोनों में भगवान परशुराम जयंती समारोह मनाए जा रहे हैं। इस कड़ी में राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जयंती समारोह पहरावर में निर्धारित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि के तौर पर शामिल होंगे। इस आयोजन में केंद्रीय मंत्री, प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, पंचायती निकाय संस्थाओं के प्रतिनिधि, निकाय संस्थाओं के प्रतिनिधि भागीदारी करेंगे। मंत्री ने इंदिरा कालोनी ब्राह्मण धर्मशाला में हाल निर्माण के लिए 21 लाख रुपए की राशि अपने स्वैच्छिक कोष से देने की घोषणा की। इस दौरान उनके साथ पूर्व महापौर रेणु डाबला, मनमोहन गोयल, निगम पार्षद प्रवीण कौशिक, बिजेन्द्र ब्रह्मचारी, प्रधान खुशीराम शास्त्री, सुभाष शर्मा, राकेश वत्स, नरेंद्र कौशिक, रामफल शर्मा, भारत भूषण शर्मा, जगदीश शर्मा, रितेश शर्मा, सुरेश शर्मा, जितेंद्र अत्री, श्रीभगवान शर्मा, प्रवीण वत्स आदि रहे।

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा। फोटो : हरिभूमि

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, रोहतक की कर शाखा के सम्पत्तिकर के रिकार्ड में नई प्रोपर्टी आईडी नं. 1HT92LK4 पुरानी प्रोपर्टी आईडी नं. 224C734U310 वार्ड नं./पता Janta Colony YC पुराने एनडीसी रिकार्ड में Ramniwas Sharma व सर्वे के अनुसार नए एनडीसी रिकार्ड में Pushpa W/o Ramniwas नाम से दर्ज है, अब नगर निगम के रिकार्ड में इस आईडी नं. में प्रार्थी जिसका नाम Ashwani Kumar, Manju, Sarita, Pushpa S/o, D/o, W/o Ramniwas, Partham, Rakhi, Shalu S/o, D/o, W/o Robin S/o Ramniwas के द्वारा वसीयत/**वारसान** के आधार पर अपने नाम तबदील करवाना चाहते हैं जिसकी वारसान रिपोर्ट तहसीलदार, रोहतक द्वारा तसदीक की गई है। यदि किसी भी जनसाधारण को इनके नाम तबदील करने में कोई भी आपत्ति है तो 30 दिन के अन्दर-अन्दर नगर निगम कार्यालय में अपनी आपत्ति दर्ज करवाये, अन्यथा प्रोपर्टी टैक्स में उसके नाम तबदील कर दी जाएगी। जिसके लिए नगर निगम, रोहतक कोई उत्तरदायी नहीं होगा।

हस्ता/-क्षेत्रीय कराधान अधिकारी
नगर निगम, रोहतक

धर्म की रक्षा के लिए हर हिंदू को जागना जरूरी

- हिंदू धर्म सिखाता है कि जहां जरूरत हो वहां फूल दो, लेकिन जहां संकट हो, वहां शस्त्र उठाने से मत डरो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सूरजमल विहार बी-ब्लॉक स्थित श्री सनातन धर्म मंदिर में आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव (तिरुपति) ने भक्तों का मार्गदर्शन किया। सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने भगवद्गीता का उदाहरण देते हुए धर्म की रक्षा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि आज के समय में धर्म की रक्षा के लिए हर हिंदू को जागना जरूरी है। उन्होंने हाल की उस हृदय विदारक घटना का उल्लेख किया, जहां आतंकवादियों ने धर्म जानकर निर्दोष हिंदुओं को निशाना बनाया, उनकी पहचान पूछी और फिर उन्हें बेरहमी से मार डाला।

उन्होंने कहा कि यह समय मौन रहने का नहीं है। हमें एकजुट होकर, बिना डर के, अपने धर्म, संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए खड़ा होना होगा। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म हमेशा से अहिंसा का पूजक रहा है। लेकिन जब धर्म पर संकट आता है, तो शस्त्र उठाना भी धर्म बन जाता है। ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने भी स्पष्ट किया कि भगवान हनुमान के पास गदा, राम के पास धनुष और कृष्ण के पास बांसुरी थी। लेकिन जब धर्म संकट में आया, तो बांसुरी छोडक़र सुदर्शन चक्र उठाना पड़ा। यही धर्म की सच्ची व्याख्या है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अहिंसा का अर्थ कायरता नहीं है। भगवान शिव स्वयं शांत तपस्वी हैं, लेकिन जब अधर्म बढ़ा, तो उन्होंने त्रिशूल उठाकर तांडव किया। यही हमारा धर्म भी सिखाता है कि जहां जरूरत हो वहां फूल दो, लेकिन जहां संकट हो, वहां शस्त्र उठाने से मत डरो।

सीखने की कोई उम्र नहीं होती:प्रो राजबीर सिंह

- वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय, लाखन माजरा के प्रांगण में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन प्राचार्या इंदु सपरा के कुशल नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डॉ शरणजीत कौर रहीं। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट देकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदन के साथ हुआ। अतिथियों के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कुलपति, विशिष्ट अतिथि, महाविद्यालय की प्राचार्या, उप-प्राचार्या, कुल सचिव तथा समिति प्रभारी ने वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन किया। तत्पश्चात प्राचार्या द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक उपलब्धियां को 'वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2024-25' के माध्यम से सबके समक्ष प्रस्तुत किया।

रोहतक। छात्रा को सम्मानित करते कुलपति प्रो. राजबीर सिंह।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

NEW FRESH BATCHES
CLAT (LAW) 2026/27
IPM (IIMs) 2026/27
BANK SSC
MCA NDA
T.I.M.E. Triumphant Institute of Management Education Pvt. Ltd.
D-Park, Delhi Road Rohtak
M. 9254304337

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
Dr. Kawatra Rohtak.com
WE... THE BEST CREATION OF ALMIGHTY CREATOR SERVING HUMANITY FOR THEIR WELL BEING
RELATIONSHIP MANAGEMENT
Wish you speedy Recovery
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
एचआर हेड (महिला)
फील्ड ऑफिसर
टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें M. 9991789000

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
PRO 5
NURSING STAFF 4
ICU STAFF 10
MALE NURSING STAFF 5
HOUSE KEEPING 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
All Vaish School Vedanta School
Shiksha Bharti Scholar Rosary
St. Pall School ZAD Global School
Model School Shivalik School
DAV School MRGS School Baba Mast Nath School GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak | Ph.: 01262-258299

अब तक 3.80 लाख क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी

95 फीसदी सीजन खत्म, गेहूं की आवक कम, उठान मात्र 37 प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

अनाज मंडियों में अब गेहूं की आवक घटने लगी है। 95 फीसदी तक सीजन पूरा हो चुका है, जिसके चलते इसी सप्ताह तक इसके पूरा होने की भी उम्मीद जताई जाने लगी है। आवक कम होने लगी तो उठान का भी शनिवार को कुछ असर दिखाई दिया। शनिवार तक 3 लाख 80 हजार क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। जिसमें से 37 प्रतिशत क्विंटल का उठान किया जा सका। जबकि अब तक मंडी में 466094 किवंटल गेहूं की आवक हुई है।

रोहतक। अनाजमंडी में रखा हुआ गेहूं।

हैफेड ने खड़े किए हाथ तो बिगड़े हालात

आढ़तियों की मानें तो इस बार हैफेड द्वारा गेहूं लेने से इन्कार कर दिया, जिसके चलते ही हालात बिगड़ गए। अब तक हैफेड द्वारा 28782 क्विंटल गेहूं की खरीद की। उठान 37 प्रतिशत किया गया है। अब खरीद से हाथ खड़े कर दिए हैं। उठान गति धीमी होने से किसानों को परेशानी हो रही थी। मार्केट कमेटी सचिव सविता सैनी का कहना है कि अब उठान में कोई ढील नहीं है। दोनों खरीद एजेंसियों ने वाहनों की संख्या बढ़ा दी है। जिसका असर भी मंडी में दिखने लगा है।

मंडियों में सरसों की खरीद जारी

जिले की मंडियों में सरसों की खरीद भी जारी है। अब तक जिला की मंडियों में 25339.24 मीट्रिक टन सरसों खरीदी गई है। कलानौर मंडी में हैफेड द्वारा 12152.90 मीट्रिक टन, महम मंडी में हरियाणा स्टेट वेयरहाऊस कोरपोरेशन द्वारा 8042.85 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में हैफेड द्वारा 2117 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में हैफेड द्वारा 3026.48 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। जिला प्रशासन द्वारा मंडियों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई।

कृषि मंत्री ने किया महम अनाज मंडी का दौरा

महम। हरियाणा प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार शाम को महम अनाज मंडी का दौरा किया। यहां उन्होंने गेहूं खरीद प्रबंधों का जायजा लिया और किसानों व आढ़तियों के साथ बातचीत की। उन्होंने पाया कि महम अनाज मंडी में गेहूं का उठान धीमी गति से चल रहा है। इस बारे में उन्होंने रोहतक के जिला उपायुक्त से बातचीत की। कहा कि जल्द ही गेहूं का उठान करवाया जाए। श्याम सिंह राणा ने कहा कि उन्होंने आज प्रदेश की कई मंडियों का दौरा किया है। कई जगहों पर तुलाई की समस्या है। महम में गेहूं का उठान समुचित तरीके से नहीं हो रहा। कृषि मंत्री ने पेमेंट समय पर नहीं मिलने की बात पर कहा कि वे किसानों को पमेंट के सम्बंध में कोई दिक्कत नहीं आने देंगे। पहले गेहूं की कढाई कटाई का सीजन लंबा चलता था। लेकिन अब 15 दिन में ही सारा गेहूं मंडियों में आ जाता है। एकदम ज्यादा गेहूं आने से थोड़ी अव्यवस्था हो जाती है। अगले तीन चार दिन में ही मंडियों से गेहूं का उठान करवा दिया जाएगा। श्याम सिंह राणा ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि निहत्थे लोगों पर गोली चलाना किसी भी धर्म में नहीं है। पाकिस्तान सरकार के सहयोग के बिना ऐसा हमला संभव नहीं है।

महम। अनाज मंडी महम में गेहूं खरीद प्रबंधों का जायजा लेने पहुंचे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा।

खबर संक्षेप

युवक को नशीले पदार्थ सहित किया काबू

रोहतक। सीआईए-2 की टीम ने युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया। युवक से 444 ग्राम चरस बरामद हुई है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि गांव मदीना फ्लाईओवर के नीचे से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान सुरेंद्र उर्फ़ योगी निवासी गांव मदीना के रुप में हुई। युवक के पास से 444 ग्राम चरस बरामद हुई है। युवक के खिलाफ थाना बहुअकबरपुर में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

पीजीआई की पार्किंग से गाड़ी चोरी, केस दर्ज

रोहतक। पीजीआई की पार्किंग से गाड़ी चोरी हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। पीजीआई थाना पुलिस को दी शिकायत में यशवन्त ने बताया कि वह बामनौला जिला झज्जर का रहने वाला है। 24 अप्रैल को मैं अपनी गाड़ी से अपनी भाभी का इलाज कराने पीजीआई आया था। इसी दौरान गाड़ी चोरी हो गई।

विकास नगर से युवक की स्कूटी चोरी, केस दर्ज

रोहतक। विकास नगर से एक युवक की स्कूटी चोरी हो गई। पुलिस ने युवक की शिकायत पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में मनोज शमी ने बताया कि वह प्रेम नगर का रहना वाला है। 26 अप्रैल को मैं अपनी स्कूटी से किसी काम से विकास नगर गया था। जब अपना काम करके वापिस आया तो मुझे मेरी स्कूटी नहीं मिली।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। सीआईए-2 की टीम ने युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि एशियन पेंट फैक्ट्री के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान अमन निवासी गांव खुंगाई जिला झज्जर के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत थाना आईएमटी में केस दर्ज करके जांच की गई है।

81 हजार रुपये से ज्यादा की ठगी का आरोपी काबू

रोहतक। पुलिस ने 81 हजार रुपये से ज्यादा की ठगी की वारदात में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सदर थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि गांव भैयापुर लाढौत निवासी नवीन की शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 17 दिसंबर 2024 को नवीन के पास कॉल आया कि ऑनलाइन टास्क पूरा करने के बदले उसे रुपये दिए जाएंगे। जिसके बाद उन्होंने नवीन को टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया। नवीन के एक टास्क पूरा करने पर उन्होंने नवीन को 400 रुपये पेय किए। जिसके बाद उन्होने एमएमएनटीआरओएन कॉम साइट पर नवीन का एक वॉलेट बनाया। नवीन से उन्होंने 81,574 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। उन्होंने नवीन को कहा कि उसके रुपये फ्रीज हो गए है। रुपये मांगने पर नवीन को ब्लॉक कर दिया। जांच के दौरान 25 अप्रैल को आरोपी सतीश निवासी सिक्कर, राजस्थान को गिरफ्तार किया गया है।

तहसीलदार राजेश कुमान को सौंपा मांगों का ज्ञापन

शिक्षा विभाग की सख्ती पर सड़कों पर उतरे प्राइवेट स्कूल के संचालक

गैर मान्यता प्राप्त 70 स्कूलों की लिस्ट जारी कर की जा रही सीलिंग का विरोध

- सरकार की गलतफहमी के कारण की जा रही तालाबंदी : देवेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्कूलों पर सीलिंग कार्रवाई से नाराज प्राइवेट स्कूल संचालकों ने शनिवार को सड़कों पर प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। शिक्षा विभाग की तरफ से जो गैर मान्यता प्राप्त 70 स्कूलों की लिस्ट जारी की गई थी और विभाग की तरफ से जो सीलिंग कार्रवाई की जा रही है। इसी के मद्देनजर स्कूलों के संचालक शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया और तहसीलदार राजेश कुमान को ज्ञापन सौंपा। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा ने बताया कि सरकार की गलतफहमी और अधिकारियों द्वारा गुमराह करने के कारण स्कूलों पर तालाबंदी की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये स्कूल पिछले करीब 20 से 25 साल से चल रहे हैं, लेकिन जमीन की शर्त लगाकर स्कूलों को मान्यता नहीं दी जा रही। अगर जमीन की शर्त पर रियायत दी जाए तो स्कूल मान्यता के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन करते प्राइवेट स्कूल संचालक।

मान्यता के नियमों में दी जाए राहत

देवेंद्र शर्मा ने बताया कि शिक्षा विभाग की तरफ से जो लिस्ट जारी की गई है, वह सही नहीं है। उन्होंने सरकार से मांग की कि मान्यता को लेकर बीच का रास्ता निकाला जाए और स्कूलों को बंद करने की बजाय मान्यता के नियमों में राहत दी जाए।

जबरदस्ती स्कूलों को बंद कर रहा शिक्षा विभाग

प्राइवेट स्कूल वन स्टेट वन यूनियन के फाउंडर चेयरमैन सुमित चावला ने बताया कि पेरेंट्स चाहते हैं कि स्कूल बंद न हो और उनके बच्चे वहीं पढ़ें। लेकिन शिक्षा विभाग जबरदस्ती स्कूलों को बंद कर रही है। प्राइवेट स्कूल संचालक बच्चों के भविष्य को देखते हुए आंदोलनरत है और किसी कीमत पर अब पीछे नहीं हटेंगे।

लोगों का छिन जाएगा रोजगार

देवेंद्र शर्मा ने बताया कि अगर स्कूल बंद हो गए तो हजारों लोगों का रोजगार छीन जाएगा। इतना ही नहीं हजारों बच्चे भी शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। शर्मा ने ये भी बताया कि प्रशासन की तरफ से चूक हुई है, जिन स्कूलों के पास मान्यता थी, उनके नाम भी लिस्ट में डाल दिए गए। इसको लेकर अधिकारियों से मिल रहे है। कुछ स्कूलों के नाम लिस्ट से हटाए भी गए हैं।

छात्रों से विभिन्न शब्दों की वर्तनी पूछी

इंडस पब्लिक स्कूल में स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी शब्दावली का विस्तार व वर्तनी कौशल में सुधार और आत्म विश्वास में वृद्धि करने के लिए कक्षा तीसरी से दसवीं तक स्पेल बी प्रतियोगिता रोमांचक और शैक्षिक गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को अंग्रेजी शब्दों की वर्तनी सीखने और उनका अभ्यास करने का अवसर मिलता है। इस प्रतियोगिता में छात्रों को विभिन्न शब्दों की वर्तनी पूछी जाती है और उन्हें सही वर्तनी के साथ जवाब देना होता है।विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा ने बताया कि प्रतियोगिता से छात्रों में अंग्रेजी कौशल सुधार और उन्हें अधिक आत्मविश्वासी बनाती है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने से छात्रों में प्रतिस्पर्धी भावना विकसित होती है और वे अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित होते हैं। स्पेल बी प्रतियोगिता छात्रों की शब्दावली का विस्तार करती है और उन्हें नए शब्दों से परिचित कराती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता में भाग लेकर छात्र स्वयं को आत्मविश्वासी और वर्तनी कुशल बना सकते हैं। इसलिए समय-समय पर इस तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित होनी चाहिए।

वैश्य संस्था का चुनाव का शैड्यूल जारी : 3 से 5 तक नामांकन, 20 जुलाई को वोटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक की वैश्य शिक्षण संस्था में तीन वर्षीय चुनाव का बिगुल बज चुका है। त्रि-वर्षीय चुनाव के लिए 1 मई को वोटर लिस्ट जारी होगी। 3 से 5 जुलाई के बीच 105 कॉलेजियम सदस्यों के लिए नामांकन दाखिल किए जाएंगे। 6 व 7 जुलाई को नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी, 8 जुलाई को नामाकंन पत्र सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 20 जुलाई को वोटिंग होगी। ये बात पत्रकार वार्ता के दौरान निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र बंसल ने कही। राजेंद्र बंसल ने चुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया है। निश्चित समय पर चुनाव करवाने की घोषणा की गई है। आरओ राजेंद्र बंसल ने बताया कि 10 जुलाई 2022 को चुनाव हुए थे और अब 28 अगस्त से पहले चुनाव करवाना है। उन्हें एक अक्टूबर 2022 को आरओ नियुक्त किया गया था। 2022 में जिस वोटर लिस्ट पर चुनाव करवाया था, उसी लिस्ट के आधार पर चुनाव करवाया जाएगा। फिलहाल लिस्ट में न तो कोई नाम जोड़ा गया और न ही काटा गया है।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र बंसल व अन्य पदाधिकारी।

भाटिया हाई स्कूल में आज लगाया जाएगा स्वास्थ्य जांच शिविर

रोहतक। एकता कॉलोनी स्थित भाटिया में वी-केयर हॉस्पिटल, भाटिया वैल्फेयर सोसाइटी द्वारा स्वास्थ जांच शिविर का आयोजन 27 अप्रैल रविवार को सुबह 9 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। जिसमें डॉ. एसपीएस भाटिया, डॉ कुश भाटिया, डॉ सुहास, डॉ चारु गुप्ता, डॉ रमनीक डॉ सीआर खत्री, डॉ पूनम, डॉ विकास कक्कड़, डॉ रवी चौधरी, डॉ राजेश, डॉ मीनू, डॉ तान्या जग्गा, डॉ रवींद्र हुड्डा, डॉ रवींद्र वधवा, डॉ दिनेश शर्मा, डॉ पवन कपूर, डॉ पिंकी, डॉ सतीश गुलाटी, डॉ परनीत ढिल्लो व डॉ पी एस गहलोत मरीजों की जांच करेंगे। इस दौरान बीपी और शुगर की निःशुल्क जांच भी की जाएगी, ईसीजी, खून की जांच के सभी टेस्ट भी निःशुल्क की जाएंगे व फ्री चश्में व दवाईयां भी वितरित की जाएंगी।

आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट के पांच बच्चों ने आईआईटी जेईई मेन्स परीक्षा में बाजी मारी

रोहतक। आईआईटी मेन्स परीक्षा में आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टिट्यूट के विद्यार्थी अरशिया ने 97.5 परसेंटाइल, वीर हुड्डा ने 94 परसेंटाइल, अंकुर ने 96, यशिका ने 93 परसेंटाइल (ईडब्ल्यूएस) लेकर व सचिन वर्मा ने आईआईटी गुवाहाटी एलुमिनी लर्निंग प्रोग्राम क्लियर ईन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीनरी लर्निंग 2025 में अपना स्थान बनाकर अपना, माता पिता व इंस्टीट्यूट का नाम रोशन किया है। इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉक्टर अशोक दुहन ने बच्चों का मुंह मीठा करवाया व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बच्चों ने विभिन्न आकृतियों से मोहा मन

पठानिया स्कूल में क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थियों के लिए क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी क्ले के माध्यम से विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने क्ले से भगवान गणेश, शिवलिंग, जंगल दृश्य, समुद्र जानवर तथा पक्षियों के मॉडल बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल की भूमिका कोमल बुट्टन, कनिका मल्होत्रा, भूमिका, प्रिया और शुभम ने निभाई। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने बताया कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई हुनर छुपा होता है और स्कूल में ऐसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को अपने हुनर का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। स्कूल को-फाउण्डर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी, कोर्डिनेटर रजनी गुलाटी ने सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

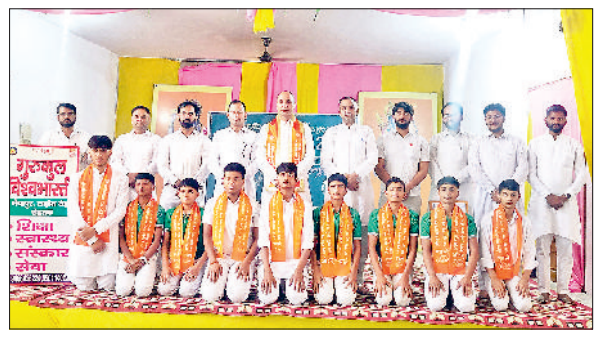

गुरुकुल विश्वभारती में टैलेंट-हंट अंतरसदनीय प्रतियोगिता का आयोजन

रोहतक। लाढौत रोड स्थित गुरुकुल विश्वभारती में टैलेंट-हंट अंतरसदनीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में प्रतिभा की पहचान, आत्मविश्वास को बढ़ावा देना और उन्हें अपनी प्रस्तुति कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करना रहा। प्रतियोगिता में छात्रों को दिए गए विषय के आधार पर उनके विषय ज्ञान, प्रस्तुति, आत्मविश्वास और प्रासंगिकता के मानदंडों पर आंका गया। विद्यालय के गुरुकुल के निदेशक आचार्य नंदकिशोर ने विजेताओं को पुरस्कार देकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर गुरुकुल निदेशक आचार्य नंदकिशोर, गुरुकुल प्राचार्य संजय कौशिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

समाधान मई के अंत तक जनस्वास्थ्य विभाग जारी कर देगा टेंडर : शमशेर खरकड़ा

जुई फीडर से लेकर महम के जलघर तक बिछाई जाएगी पाइप लाइन

1.28 करोड़ की लागत से सुधरेगी महम की पेयजल और सीवरेज व्यवस्था

- शहर का गंदा पानी पाइप बिछाकर भराण रोड होते हुए महम ड्रेन में डाला जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

चौबीसी अठगामा पंचायत के संयोजक शमशेर खरकड़ा ने शनिवार दोपहर को अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। विधानसभा चुनाव के बाद शमशेर खरकड़ा की यह कांफ्रेंस दिनभर इलाके में चर्चा का विषय बनी रही। विधानसभा चुनाव के छह महीने बाद एकाएक उनकी राजनीतिक सक्रियता ने विरोधियों के खेमे में खलबली मचा दी है। शमशेर खरकड़ा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि उन्होंने चुनाव से पहले इस इलाके के लोगों की भलाई के लिए कई सरकारी परियोजनाओं को अमलीजामा पहनानने का काम किया था। उन्होंने राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा की ओर इशारा करते हुए कहा कि राज्यसभा सांसद जिन परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन कर रहे हैं, वे उन्होंने ही मंजूर करवाई थी।

महम। पत्रकारों को संबोधित करते चौबीसी अठगामा पंचायत के संयोजक शमशेर खरकड़ा।

सांसद बेवजह विकास कार्यों का श्रेय ले रहे

शमशेर खरकड़ा ने बताया कि सांसद रामचंद्र जांगड़ा बेवजह इन विकास कार्यों का श्रेय लेने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने चुनाव से पहले जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से मिलकर महम शहर के लिए एक बड़ी परियोजना की रूपरेखा तैयार की थी। अब उनके द्वारा तैयार की गई यह बड़ी परियोजना धरातल पर उतरने जा रही है। करीब एक करोड़ 28 लाख रुपए की लागत से महम शहर की पेयजल और सीवरेज व्यवस्था को सुधारा जाएगा। 16 मई को जनस्वास्थ्य विभाग को इस काम की एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रुव्ल मिल गई है। मई महीने के अंत तक इन कार्यों के टेंडर जारी हो जाएंगे।

पानी सीधा नहर से वाटर टैंकों में आएगा

खरकड़ा ने कहा कि महम शहर के इमलीगढ़ स्थित जलघर में अब तक बहलबा माइनर से पानी आता है, रजवाहे के जरिय जलघर के वाटर टैंकों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता था। अब जुई फीडर तक पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इस बंद पाइप लाइन के जरिए सीधा नहर से शहर में वाटर टैंकों तक पानी पहुंचाया जाएगा। साथ ही शहर के जलघरों के वाटर टैंकों की मरम्मत की जाएगी और उनकी क्षमता बढाई जाएगी। इसके अलावा महम शहर के लोगों को सीवरेज लाइन ऑवर फ्लो होने की समस्या से भी निजात मिलेगी। क्योंकि अब महम शहर से लेकर गंगानगर गांव जाने वाली सड़क के साथ साथ पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इस पाइप लाइन को महम ड्रेन तक ले जाया जाएगा। शहर के गंदे पानी की ड्रेन में निकासी हो सकेगी। उन्होंने चुनाव से पूर्व ही कई ऐसे काम फाइलों में चला रखे हैं, जो दिसंबर तक पूरे होने हैं। खरकड़ा ने कहा कि महम से कांग्रेस पार्टी के विधायक बलराम दांगी और पूर्व विधायक बलराज कुंडू भाजपा नेताओं से संपर्क बढ़ा रहे हैं। सीएम के साथ फोटो खिंचवाने में ही उनकी दिलचस्पी है। यहां लूट और झूठ की राजनीति नहीं होने दी जाएगी।

क्रिकेट टीम का चयन 2 को लाहली में

रोहतक। जिला क्रिकेट एसोसियेशन के अध्यक्ष बाल कृष्ण आहुजा ने बताया कि हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन भिवानी द्वारा आयोजित की जाने वाली अंडर-23 व सीनियर वर्ग अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए रोहतक की टीम का चयन 2 मई को सुबह 7 बजे चौधरी बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम लाहली में किया जाएगा। इसके लिए लड़कों का जन्म एक सितंबर व उसके बाद का होना चाहिए। जबकि सीनियर वर्ग (लड़के) की टीम के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। इस ट्रायल में भाग लेने के लिए वे खिलाड़ी योग्य होंगे, जो जिला में स्थायी तौर पर रह रहे हों। जिनका जन्म स्थान रोहतक हो या पिछले 2 साल से रोहतक में पढ़ाई कर रहे हों। खिलाड़ी को अपना मूल जन्म प्रमाण पत्र, व उसकी एक प्रति, पिछले वर्ष का स्कूल का प्रमाण पत्र, फोटो पहचान पत्र व 1 पासपोर्ट साइज फोटो और खेल के सामान के साथ सफेद किट साथ लेकर आना है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 अप्रैल 2025

विशेष
अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस
29 अप्रैल

कवर स्टोरी
रेणु खंतवाल

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लगभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डांसर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डांसर को यह कहते नहीं सुना जाता कि उसे फ्रोजन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डांस को एक थेरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

कैसे काम करती है डांस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डांस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी
रानी खानम, कथक नृत्यांगना

मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

नृत्य मेरी आत्मा है
शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना

जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्म में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिद्म और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्प्रीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है
कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

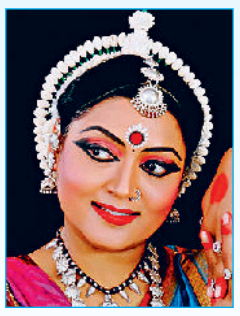

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खूबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुसाशन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आईं। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

नृत्य मेरी सांस है
ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना

मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आईं, संकोच से बोलीं, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचीं कि सब देखते रह गए। मैं डांस सीखने वालों से यही कहती हूं कि जब डांस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोंस बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डांस करें। स्वांतः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े धीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ हमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सहमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

कहानी
दीप्ति श्रीवास्तव

वक्त का तकाजा

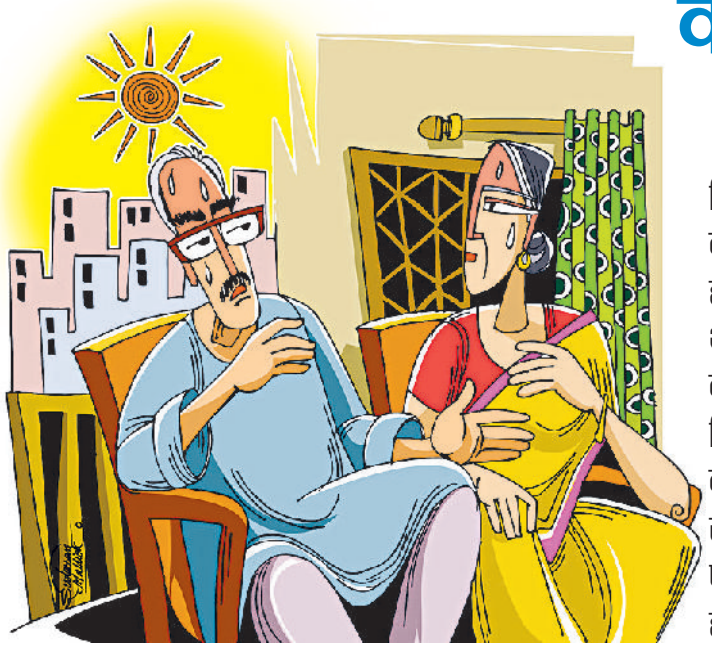

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

बड़े खुश थे बराड़ साहब। उन्होंने एक पॉश कॉलोनी में बड़े शौक से मकान बनवाया था। उसके इंटीरियर में लाखों रुपए खर्च किए। जो भी आता, घूम-घूम कर घर को दिखाते और बोलते-देखिए, बस्तर आर्ट का दरवाजा, इसकी फिनिशिंग... यह झूमर इतने का... यह कोरियाई कालीन... इत्यादि-इत्यादि। नया घर, नई उन्नत तकनीक की महंगी वस्तुएं, स्वयं अपनी शान बघार रही थीं। वह सोचते, घर बनवाने और शादी के आयोजन में जितना पैसा खर्च करो, कम ही लगता है।

एक साल बाद ही बराड़ साहब का नशा उतरने लगा। जिस उत्साह से वह अपने घर का कोना-कोना लोगों को दिखाते थकते नहीं थे, जिस पर नाज कर रहे थे, अब मिलने आने वालों से कहने लगे, 'ऊपर-नीचे उतरने से मैं परेशान हो गया हूं।' वह दूसरों को सलाह देते, 'ऊपर-नीचे वाला घर कभी न लेना। मेरी हालत देखो, कैसी बुरी हो गई है?'

मिट्टी से फैलती गंदगी, बराड़ साहब को नापसंद थी, इसलिए चमकदार फर्श धूप से गर्म हो जाती। कॉलोनी के हर घर में गमले, पौधों से सुसज्जित थे, जमीन पर सीमेंट का कालीन था। बरसात में होने वाले कीचड़ के लिए कोई गुंजाइश नहीं रहती।

'गर्मी ने इस बार जल्दी दस्तक दे दी यहां।' पत्नी से बराड़ साहब बोले।

'सरकारी घर में झाड़-पेड़ थे, मिट्टी का आंगन था, जो गर्मी सोख उसका अहसास कम कराता था। कितना अच्छा लगता था जब चिड़ियां घर के आंगन में चहकती थीं। तुमको यह सब अच्छा नहीं लगता, क्योंकि तुम्हरी नजर में इससे गंदगी फैलती थी।' पत्नी बोली।

गर्मी बढ़ने लगी, रात-दिन एसी में रहना पड़ता। अब बराड़ साहब को लगता नाहक बगीचे की जगह सीमेंट की फर्श फैलाकर इतना पैसा खर्च किया। अब उसको हटवाना यानी अपनी बेवकूफी का प्रदर्शन है। आस-पड़ोस वाले क्या सोचेंगे? गर्मी की समस्या से निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया।

कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमाम दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी।

तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था।

एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी आखिरी सांस लेने लगे, लोगों का बहुत बुरा हाल। पानी-बिजली दोनों नदारद। बताओ पैसा जेब में, लेकिन इसका उपयोग कहां करें? कहीं कोई सुविधा नहीं।

नल दिखावे का साधन मात्र रह गए। खरीदे हुए पानी के कैन मुंह चिढ़ा रहे थे। बराड़ साहब को सरकारी बंगले में चौबीसों घंटे बहते पानी की याद आती। वह तो जलसंसाधन विभाग से ही रिटायर हुए हैं।

जिस जल की उन्होंने कभी कद्र नहीं की, आज वह उनको मुंह चिढ़ा रहा है। पानी के लिए नल-जल कनेक्शन की हजारों एप्लिकेशन फाइल में दबी छुपी रोती रहतीं लेकिन उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। आज अपनी करनी पर पछतावा करने से क्या होगा, जब परिस्थितियों ने बुरी हालातों का शिकार बना रखा है। यह बात उन्हें भीतर ही भीतर खाए जा रही थी। अपने बड़े ओहदे का घमंड, रिटायर होने के बाद उन्हें जमीन पर ले आया था। उनकी हालत देखकर पत्नी ने सुझाया, 'हम लोग बारिश में खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाकर, उनकी देखभाल करेंगे, साथ ही बगीचे की सीमेंटी फर्श हटवा बड़े, झाड़ लगाएंगे, जहां चिड़ियां चहकते हुए फुदकेंगी।'

अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे।

धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/
मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी।

बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलगो भी हैं, इस बात की तस्दीक करती हैं, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलें। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, *'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।'* तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, *'वो पलकों पर ख्वाब सजा के रखती थी/ हम ख्वाबों के पंख उड़ाया करते थे।'* सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रूप को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कठघरे में खड़ा करने से नहीं कतराते हैं। एक बानगी देखिए, *'किया है कत्ल जिसने, घर उसी के/पुलिस भी चाय-पानी कर रही है।'* गजल को वह केवल कुछ कहने का जरिया भर नहीं मानते हैं। तभी तो कहते हैं, *'मेरी गजल तो है इबादत का तरीका बस।'* कह सकते हैं कि गजल के कद्रदानों के लिए यह किताब, गजलों के गुलदस्ते जैसी है। *

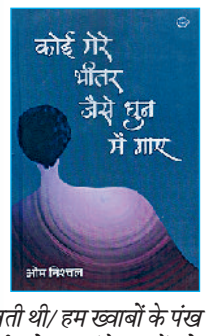

पुस्तकः कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए,
रचनाकारः ओम निश्चल, **मूल्यः** 250 रुपए,
प्रकाशकः सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

खूबसूरत वादियों का शहर ऊटी

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंज्वॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।

छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

बोटेनिकल गार्डन

1848 में बनाया गया बोटेनिकल गार्डन 22 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। गार्डन की छोटी-बड़ी क्यारियों में पेड़-पौधों की 650 से अधिक किस्में मौजूद हैं। यहां करीब 20 लाख साल पुराने पेड़ का जीवाश्म भी संजोकर रखा गया है। गार्डन में बनी

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावना और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चीड़ के पेड़, हरे-भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-कॉफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग, घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुत्फ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और ट्रवॉय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के आर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *

रोचक / चंद्रप्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया

डायनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैंकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्तः डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीठ पर बाघ जैसी धारियों वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरतः अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चौंकाने वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है।

पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़ियाः विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है।

लेखक की कल्पना हुई साकारः डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात यह हे कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोंस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरेस्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमेजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवित देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन

उपयोगी पेड़ / वीना गौतम

पिछले कुछ वर्षों से स्वादिष्ट फल चीकू की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इसकी खेती किसानों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

किसानों के लिए फायदेमंद स्वादिष्ट फल चीकू की खेती

चीकू, सैपोटेसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिश या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात के अलावा, कर्नाटक के बेलगाम और धारवाड़ क्षेत्र में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है।

व्यावसायिक महत्वः एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठें-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है।

उपयुक्त दशाएंः चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी दोमट और बलुई-दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है।

ऐसे करें चीकू की खेतीः चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा क र ना चाहिए। गड्ढे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है

बाबिल खान

खास मुलाकात / पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं।

सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट'?

'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है।

आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेप्ट किया?

फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

वायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलानी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते है तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं।

फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इंफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले ट्विस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे।

पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं?

मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं दि ला या । उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खेलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है।

कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है।

अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।

एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान को कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत गहरा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेंट में खाना खाने गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मां ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।